Fourteenth Loksabha

Session : 9
Date : 30-11-2006

Participants : Singh Ch. Lal

an>

Title: Need to revive the old lakes in Jammu & Kashmir to solve the problem of water scarcity.

MR. SPEAKER: Now, we come to the matters of urgent public importance. Chaudhary Lal Singh.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Chaudhary Lal Singh, you are not attentive.

… (*Interruptions*)

श्री राम कृपाल यादव (पटना): अध्यक्ष महोदय, कल हमें बताया गया था कि …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : हाउस का काम बहुत अच्छे ढंग से चल रहा है। कृपया आप बैठ जाइए।

श्री राम कृपाल यादव : अध्यक्ष महोदय, कल आपने कहा था कि …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय :आपको बोलने का मौका देंगे। थोड़ा धीरज रखिए।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर):सर, कल आपने कहा था कि आज सबसे पहले बोलने का अवसर दिया जाएगा।

अध्यक्ष महोदय :ज्यादा उम्र हो गई है। इसलिए भूल जाता हूं।

चौधरी लाल सिंह (उधमपुर): अध्यक्ष महोदय, आपकी परमीशन से मैं केन्द्र की सरकार का ध्यान अपनी स्टेट की तरफ ले जाना चाहता हूं। हमारे यहां पानी प्राप्त करने का मसला डे-बाई-डे मुश्किल होता जा रहा है क्योंकि जमीन के नीचे का पानी सूखता जा रहा है। वहां वाटर टेबल नीचे चला गया है। उसे रीचार्ज करने का कोई भी तरीका अख्तियार नहीं किया जा रहा है।

महोदय, हमारी स्टेट के जो डिस्ट्रिक्ट्स पाकिस्तान के साथ लगते हैं, जैसे कठुआ और जम्मू, वहां के पहाड़ों का पानी जमीन के नीचे होता हुआ सीधा पाकिस्तान जा रहा है। पाकिस्तान में वह पानी जमीन के नीचे से नैचुरल रूप में बहुत ज्यादा तादाद में निकल रहा है। मैं गवर्नमेंट को सजैस्ट करना चाहता हूं कि उस पानी को सरकार रीचार्ज करने का तरीका अपनाए क्योंकि उसे हमारी कंडी की ओर पहुंचाना बहुत जरूरी है।

महोदय, मैं केवल अपने जिले की बात बता रहा हूं। वहां हमारे बुजुर्गों ने करीब 401 तालाब बनवाए थे ताकि पानी जमीन में महफूज रह सके। यह मैं केवल एक जिले की बात बता रहा हूं। यदि पूरी रियासत का हिसाब लगाएंगे तो ऐसे हजारों तालाब होंगे जिनके कारण जमीन के नीचे वाटर लैबल भी ऊंचा रहे और जमीन में मॉइस्चर भी बना रहे ताकि हमारे लोग जो थोड़ी-बहुत खेती होती है उसकी सिंचाई कर सकें और अपने पशुपालन का धंधा चला सकें। आज उन तालाबों की हालत बहुत खस्ता हो गई है। वे डैमेज हो गए हैं। इन तालाबों के बनाने पर सरकार का पैसा खर्च नहीं हुआ था बल्कि ये लोगें ने निजी तरीके से बनवाए थे। आज उन्हें प्रोटैक्ट करने की जिम्मेदारी सरकार की है। यदि उन्हें आज बनाया जाए तो अरबों रुपए खर्च होंगे। आज उन्हें सेफ करना है ताकि पानी को भी बचाकर रखा जा सके। इसके साथ ही साथ हमारे बुजुर्गों ने जो पारम्परिक चीज बनाई है उसे भी महफूज रखा जा सकेगा। यदि सरकार उनकी हिफाजत नहीं करेगी, तो हमारे बुजुर्गों के पारम्परिक तालाब खत्म हो जाएंगे।

महोदय, हमारे यहां की स्ट्रीम्स, बावलियां और नाले फारेस्ट के कटान के कारण सूख गए हैं जिसके कारण पानी प्राप्त करने में बहुत दिक्कत हो रही है। इसलिए मेरी सरकार से सबमीशन है कि उन्हें रीचार्ज किया जाए, उन्हें रीजनरेट किया जाए। यदि ऐसा नहीं किया गया, तो हमें बहुत दिक्कत होगी। हमने इस बारे में एक प्लान बनाकर भी भेजा है। मैं चाहता हूं कि सरकार उसे सैंक्शन करे ताकि उनकी मरम्मत कर उन्हें काम में लाया जा सके। आपने मुझे बोलने के लिए समय दिया, इसके लिए आपकी बड़ी मेहरबानी और शुक्रिया।

MR. SPEAKER: Chaudhary Lal Singh, I compliment you for raising a very important issue.

Shri Ram Kripal Yadav. I am sorry, if I have forgotten your name.

-